DELHI PUBLIC SCHOOL SURAT: DEPARTMENT OF HINDI

Class: IX …… **SAMPLE PAPER**

Name: ……. **Roll No: ……..**

खंड-क

1. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए:

रोज़-रोज़ इनका आना और अपनी प्यारी झलक दिखाकर गायब हो जाना बच्चे के मन में उत्सुकता जगाता है जिसके बाद फिर खेल की शुरूआत होती है। यानी बच्चा प्रतीक्षा करता है कि सुबह होते ही चिड़िया आएगी, शाम ढलेगी तो चाँद निकलेगा और फिर उनसे वैसी ही मीठी बातें होंगी। उनके आने पर वह मीठी किलक के साथ स्वागत करता है और उनका जाना उसे उदास करता है लेकिन वे फिर लौटेंगे, यह उम्मीद जीवन में उसके विश्वास को बनाए रखती है। प्रकृति के संग-साहचर्य की ऊष्मा को वह समझने लगता है और उसके साथ खेलने के सुख को भी। फिर बदलती प्रकृति – जाड़े, गर्मी और बारिश के साथ 'मौसम की शरारतें' जो जीवन में नित नया आनंद भरती हैं। इन सबसे गुज़रते हुए उसे लगता है कि उसकी दुनिया अकेली नहीं सबके साथ है। प्रकृति के इस अद्भुत रंग-बिरंगे, कल्पनाशील संसार के साथ ही यह जीवन पूर्ण होता है। इसलिए कल भी सबसे ज़्यादा बालगीत प्रकृति को लेकर ही लिखे गए और आज भी लिखे जाते हैं। यह और बात है कि समय के साथ प्रकृति और इन बालगीतों का रूप भी निरंतर बदलता जा रहा है। कहना न होगा कि प्रकृति की इस निकटता से बच्चे के मन और कुतूहल-संसार में जो नए रंग, नई लहर, नया उल्लास पैदा होता है उसे वह रोज़-रोज़ कुछ और स्पष्टता से महसूस करता है और यूँ बच्चे के मन में लिखी जाती है – पहली कविता।

(क) बच्चा किसकी प्रतीक्षा करता है? **1**

[i] चिड़िया की
[ii] चाँद की
[iii] सुबह की
[iv] सुबह और शाम की

(ख) जीवन में नई खुशियाँ कौन भरता है? **1**

[i] प्रकृति के बदलाव
[ii] बदलती ऋतुएँ
[iii] मौसम की शरारतें
[iv] प्रकृति का साहचर्य

(ग) अधिकतर बालगीत प्रकृति पर ही क्यों लिखे गए? **1**

[i] प्रकृति के साथ ही जीवन की पूर्णता होने के कारण
[ii] प्रकृति के निरंतर बदलाव के कारण
[iii] प्रकृति के अद्भुत रंगों के कारण
[iv] कवियों को प्रकृति से अत्यधिक प्रेम होने के कारण

(घ) समय के साथ बालगीतों में परिवर्तन क्यों आने लगा है? **1**

[i] प्रकृति के कल्पनाशील संसार के कारण
[ii] प्रकृति में परिवर्तन आने के कारण
[iii] संसार में परिवर्तन आने के कारण
[iv] नई पीढ़ी की नई विचारधारा के कारण

(ङ) बच्चे के मन में पहली कविता कब और कैसे लिखी जाती है? **1**

[i] कुतूहल-संसार में नए रंग उत्पन्न होने पर
[ii] कुतूहल-संसार में नई लहर उत्पन्न होने पर

[iii] कुतूहल-संसार में नया उल्लास उत्पन्न होने पर
[iv] नवीन रंग, लहर, उल्लास की उत्पत्ति व इनकी पूर्ण अनुभूति

2. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए:

भला कौन-सा बच्चा है जिसकी चंदा मामा से दोस्ती न हो। बच्चों को चंदा मामा और चंदा मामा को बच्चे इतने अच्छे क्यों लगते हैं कि इसे शब्दों में ठीक-ठीक बताना मुश्किल है। फिर भी इसकी प्यारी-प्यारी कोशिशें तो हुई हैं। हमारा बचपन इन कविताओं की छाया में, इन्हें गाते-गुनगुनाते हुए ही बीता और चंदा मामा से दोस्ती और बातें करते हुए कब हम बड़े होते जाते हैं, हमें कुछ पता ही नहीं चलता क्योंकि हमारे मन में तो आज भी उसी कविता की गूँज बसी हुई है जिसे हम झूम-झूमकर गाते थे और जितना गाते थे उतना ही आनंद आता था। लगता था, चंदा मामा हमारी बातें सुन रहे हैं और मुस्करा रहे हैं। चंदा मामा वाले इस गीत का लेखक कौन है, यह तो हमें पता नहीं था, आज भी पता नहीं है क्योंकि यह तो एक लोक कविता से निकलकर आया था पर इसमें रस अनोखा है। आज भी इसे सुनता हूँ तो लगता है, मैं बचपन की ही निराली दुनिया में पहुँच गया हूँ और यह गीत आप लोगों ने भी बार-बार गुनगुनाया होगा – 'चंदामामा दूर के, पूए पकाएँ गुड़ के, आप खाएँ थाली में, मुन्ने को दें प्याली में...'

चाँद की तरह ही हिंदी बाल कविता में जीवन के रंग भरने में 'चूँ-चूँ-चीं-चीं' करती चिड़िया की नन्हीं उड़ानों ने जो काम किया है वह सचमुच अनोखा है। नन्हीं चिड़िया का चौकन्नी नज़रों से इधर-उधर देखते हुए किसी पेड़-पौधे, मकान की खिड़की या घास के लॉन पर आकर बैठना ही हमें उसके प्रति अचरज और कौतूहल से भर देता है। फिर उसका मस्ती के सुर में 'चीं-चीं-चूँ-चूँ' करके चहचहाना, बार-बार उड़ानें भरकर मुँह में तिनका ले आना, बड़े जतन से घोंसला बनाना, अंडे देना, उन्हें सेना और फिर चिड़िया के नन्हे-नन्हे बच्चों का मीठा कलरव; बच्चों के लिए इससे ज़्यादा आनंददायक और जीवंत चीज़ अन्य कोई नहीं।

(क) बच्चे सबसे अधिक किससे दोस्ती करना पसंद करते हैं? **1**

[i] चिड़िया से
[ii] प्रकृति से
[iii] चंदा मामा से
[iv] उपर्युक्त सभी से

(ख) लेखक को बड़े होते जाने का अहसास क्यों नहीं होता? **1**

[i] चंदा मामा की कविताएँ आनंदपूर्वक गाने के कारण
[ii] चंदा मामा से दोस्ती करने के कारण
[iii] चंदा मामा की बातें करने के कारण
[iv] बचपन कविताओं की छाँव में बीतने के कारण

(ग) लेखक को बचपन के अद्भुत संसार में पहुँचने का अहसास कब होता है? **1**

[i] बालगीत गाने पर
[ii] बचपन की मधुर स्मृतियों के ताज़ा होने पर
[iii] चंदा मामा से दोस्ती की बातें याद आने पर
[iv] चंदा मामा से संबंधित कविता सुनने पर

(घ) बाल कविता में _____ कार्य चिड़िया करती है। **1**

[i] चूँ-चूँ-चीं-चीं करने का
[ii] जीवन के रंग भरने का
[iii] नन्हीं उड़ानें भरने का
[iv] चौकन्नी नज़रों से देखने का

(ङ) बच्चों के लिए सर्वाधिक आनंददायक व जीवंत चीज़ क्या है? **1**

[i] चिड़िया का उड़ान भरकर मुँह में तिनका लाना
[ii] जतन से घोंसला बनाकर अंडे देना और उन्हें सेना
[iii] चिड़िया के नन्हें-नन्हें बच्चों का मीठा कलरव
[iv] उपर्युक्त सभी

3. निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए:

वीर जवानों, सुनो, तुम्हारे सम्मुख एक सवाल है।
जिस धरती को तुमने सींचा
अपने खून-पसीनों से,
हार गई दुश्मन की गोली

वज्र सरीखे सीनों से।
जब-जब उठीं तुम्हारी बाँहें, होता वश में काल है।
जिस धरती के लिए सदा
तुमने सब कुछ कुर्बान किया,
शूली पर चढ़-चढ़ हँस-हँस कर
कालकूट का पान किया।
जब-जब तुमने कदम बढ़ाया, हुई दिशाएँ लाल हैं।
उस धरती के टुकड़े-टुकड़े
करना चाह रहे दुश्मन,
जाति-पाँति, वर्गों-फिरकों के, वह फैलाता जाल है।
कुछ देशों की लोलुप नज़रें
लगी तुम्हारी ओर हैं,
कुछ अपने ही जयचंदों के
मन में बैठा चोर है।
सावधान कर दो उसको जो पहने कपटी ख्याल है।
वीर जवानों, सुनो, तुम्हारे सम्मुख एक सवाल है।

(क) धरती की रक्षा की खातिर वीरों ने क्या किया? **1**

[i] धरती की रक्षा हेतु जान की बाज़ी लगा दी। [ii] फ़ौलादी सीनों पर दुश्मन की गोलियाँ झेलीं।
[iii] धरती के लिए सर्वस्व कुर्बान कर दिया। [iv] उपर्युक्त सभी

(ख) दुश्मन किस प्रकार देश को विभाजित करना चाहता है? **1**

[i] आक्रमण करके देश को कमज़ोर बनाकर [ii] जातिगत व वर्गगत भेद द्वारा
[iii] लोगों के मन में द्वेष की भावना पैदा कर [iv] लोगों को धन का लालच देकर

(ग) 'अपने ही जयचंदों' से क्या तात्पर्य है? **1**

[i] देश के योद्धा [ii] देश के लोग
[iii] देश के गद्दार [iv] उपर्युक्त सभी

(घ) 'मन में बैठा चोर' से कवि का अभिप्राय है... **1**

[i] मन में ग्लानि का भाव होना [ii] मन में छल का भाव होना
[iii] मन में विद्रोह का भाव होना [iv] मन में द्वेष का भाव होना

(ङ) कविता में किसे और क्यों सावधान करने की बात कही गई है? **1**

[i] दुश्मन को क्योंकि वह धूर्त है। [ii] जयचंद को क्योंकि वह चालाक है।
[iii] अन्य देशों को क्योंकि वे लालची हैं। [iv] जयचंद को क्योंकि उसके मन में चोर है।

4. निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए:

कुछ भी बन बस, कायर मत बन।
ठोकर मार, पटक मत माथा
तेरी राह रोकते पाहन।
कुछ भी बन बस, कायर मत बन।
ले देकर-जीना, क्या जीना?
कब तक गम के आँसू पीना?
मानवता ने सींचा तुझको,
बहा युगों तक खून-पसीना।

कुछ न करेगा? किया करेगा–
रे मनुष्य बस, कातर क्रंदन?
कुछ भी बन बस, कायर मत बन।
अर्पण कर सर्वस्व मनुज को,
कर न दुष्ट को आत्म-समर्पण
कुछ भी बन बस, कायर मत बन।
'युद्धं देहि' कहे जब पामर
दे न दुहाई पीठ फेरकर।
या तो जीत पीठ के बल पर,
या तेरा पथ चूमे तस्कर।
प्रतिहिंसा भी दुर्बलता है,
पर कायरता अधिक अपावन।
कुछ भी बन बस, कायर मत बन।

(क) **'कुछ भी बन बस कायर मत बन' – कवि ने ऐसा क्यों कहा है?** **1**

[**i**] कुछ भी बनना मुश्किल है। [**ii**] कुछ भी बनना बहुत आसान है।
[**iii**] कायर मनुष्य अच्छा नहीं होता। [**iv**] कायर मनुष्य का जीवन व्यर्थ है।

(ख) **कवि के अनुसार किस प्रकार का जीवन व्यर्थ है?** **1**

[**i**] कुछ भी बनकर जीना [**ii**] समझौतावादी
[**iii**] खून-पसीना बहाकर जीना [**iv**] सर्वस्व अर्पित करके जीना

(ग) **राह में बाधाएँ आने पर क्या करना चाहिए?** **1**

[**i**] सिर पटकना [**ii**] हार मान लेना
[**iii**] दृढ़तापूर्वक आगे बढ़ना [**iv**] आत्मसमर्पण कर देना

(घ) **मानवता का विकास किस तरह हुआ है?** **1**

[**i**] आँसू बहाकर [**ii**] अपना सर्वस्व अर्पण करके
[**iii**] खून-पसीना बहाकर [**iv**] आपसी लेन-देन द्वारा

(ङ) **कवि ने किस भावना को अपवित्र माना है?** **1**

[**i**] कायरता को [**ii**] प्रतिहिंसा को
[**iii**] दुर्बलता को [**iv**] आलस्य को

खंड-ख

5. (क) **'विपक्षी' शब्द का सही वर्ण-विच्छेद है:** **1**

[**i**] व्+ई+प+अ+क्+ष्+ई [**ii**] व्+इ+प्+अ+क्+ष्+इ
[**iii**] व्+इ+प्+अ+क्+ष्+ई [**iv**] व्+इ+प+अ+क्+ष्+ई

(ख) **'न् + इ + र् + द् + ओ + ष् + अ' का सही शब्द है:** **1**

[**i**] निरदोष [**ii**] निर्दोष
[**iii**] निरदोष [**iv**] निद्रोष

(ग) **'प्रकृति' शब्द में प्रयुक्त सही उपसर्ग चुनिए:** **1**

[**i**] पर् [**ii**] प्र
[**iii**] पर [**iv**] परि

(घ) **'बदलाव' शब्द में प्रयुक्त सही प्रत्यय चुनिए:** **1**

[**i**] व [**ii**] लाव

[iii] आव [iv] अव

6. (क) 'चंद्रमा' शब्द का सही पर्यायवाची है: 1

[i] जलांशु [ii] सहस्रांशु

[iii] सविता [iv] सुधांशु

(ख) निम्न में से कौन-सा शब्द 'मछली' का पर्यायवाची नहीं है? 1

[i] मीन [ii] सौदामिनी

[iii] मकर [iv] मत्स्य

(ग) 'सम्मान' का उचित विलोम शब्द है: 1

[i] अनादर [ii] बेइज्ज़ती

[iii] अपमान [iv] हिंसा

(घ) 'संयोग' का उचित विलोम शब्द है: 1

[i] प्रयोग [ii] वियोग

[iii] दुर्योग [iv] हानि

7. (क) 'वर्ण' शब्द के सही अनेकार्थी रूप चुनिए: 1

[i] बकरा, ब्रह्मा [ii] ध्वनि, शिव

[iii] रस,ध्वनि [iv] अक्षर, रंग

(ख) 'द्विज' का अनेकार्थी नहीं है: 1

[i] ब्राह्मण [ii] पक्षी

[iii] दाँत [iv] होंठ

(ग) 'इतिहास से संबंधित' वाक्यांश के लिए एक शब्द है: 1

[i] इतिहासवेत्ता [ii] ऐतिहासिक

[iii] विद्वान [iv] ऐतिहासिकता

(घ) 'निष्पक्ष' के लिए उचित वाक्यांश है: 1

[i] जो हमारा पक्ष न ले [ii] जो हमारे विरुद्ध हो

[iii] जो किसी का पक्ष न ले [iv] जिसका पक्ष कोई न ले

8. (क) 'सत्यवादी गांधीजी इतिहास में सदा उल्लेखनीय रहेंगे।'- वाक्य में उद्देश्य छाँटिए: 1

[i] सत्यवादी गांधी [ii] सत्यवादी

[iii] सत्यवादी गांधीजी [iv] सत्यवादी गांधीजी इतिहास में

(ख) 'सुरेश की बहन सुनीता ने परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।'- वाक्य में विधेय छाँटिए: 1

[i] प्राप्त किए। [ii] सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

[iii] अंक प्राप्त किए। [iv] परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

(ग) 'जब से मीरा ससुराल गई है खुश नहीं है।' वाक्य का उपयुक्त सरल वाक्य है: 1

[i] ससुराल में जब से मीरा गई है खुश नहीं है।

[ii] ससुराल में मीरा खुश नहीं है।

[iii] मीरा जब से ससुराल गई है तभी से खुश नहीं है।

[iv] मीरा ससुराल में खुश नहीं है।

(घ) **निम्नलिखित वाक्यों में से सरल वाक्य छाँटकर लिखिए:** **1**

[**i**] मैं बीमार होने के कारण बैठक में नहीं आ सकता।

[**ii**] मैं बीमार हूँ और बैठक में नहीं आ सकता।

[**iii**] मैं बैठक में नहीं आ सकता क्योंकि मैं बीमार हूँ।

[**iv**] मैं बीमार हूँ इसलिए बैठक में नहीं आ सकता।

9. (क) निम्न वाक्यों में से किस वाक्य में सही विराम-चिह्न प्रयुक्त किए गए हैं? **1**

[**i**] नहीं मैं नहीं चल सकता। हाँ, तुम जाना चाहो तो चले जाओ।

[**ii**] नहीं, मैं नहीं चल सकता। हाँ, तुम जाना चाहो तो चले जाओ।

[**iii**] नहीं-मैं-नहीं चल सकता; हाँ, तुम जाना चाहो तो चले जाओ।

[**iv**] नहीं, मैं नहीं चल सकता; हाँ, तुम जाना चाहो तो चले जाओ।

(ख) [:] **विराम-चिह्न का नाम है:** **1**

[**i**] अर्द्ध विराम [**ii**] उपविराम

[**iii**] अल्पविराम [**iv**] निर्देशक

(ग) **'बहती गंगा में हाथ धोना' मुहावरे का उचित अर्थ चुनिए:** **1**

[**i**] बिना प्रयास किसी वस्तु की प्राप्ति होना [**ii**] अवसर का लाभ उठाना

[**iii**] बिना मूल्य के कोई वस्तु प्राप्त होना [**iv**] अचानक लाभ होना

(घ) **'आजकल शिक्षित युवक भी बेरोज़गारी के कारण .....।'**
रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे से कीजिए: **1**

[**i**] अपना ही राग अलापते हैं [**ii**] अगर-मगर करते फिरते हैं

[**iii**] अक्ल के घोड़े दौड़ाते फिरते हैं [**iv**] ख़ाक छानते फिरते हैं

खंड-ग

10. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर लिखिए:

क्रमश: कंठ क्षीण हो आया,
शिथिल हुए अवयव सारे,
बैठा था नव-नव उपाय की
चिंता में मैं मनमारे।
जान सका न प्रभात सजग से
हुई अलस कब दोपहरी,
स्वर्ण-घनों में कब रवि डूबा,
कब आई संध्या गहरी।

(क) **सुखिया के पिता क्यों चिंतित थे?** **1**

[**i**] सुखिया बुखार से तप रही थी। [**ii**] उसकी आवाज़ क्षीण हो गई थी।

[**iii**] उसके अंग ढ़ीले पड़ गए थे। [**iv**] उपर्युक्त सभी

(ख) **सुखिया के पिता को समय का पता क्यों नहीं चल रहा था?** **1**

[i] वह दुखी और चिंतित थे। [ii] वह सो रहे थे।

[iii] वह प्रार्थना कर रहे थे। [iv] वह बीमार थे।

(ग) **'बैठा था नव-नव उपाय की' पंक्ति का आशय किस उपाय से है?** **1**

[i] डॉक्टर के पास जाने का [ii] दवा लाने का

[iii] देवी के प्रसाद का फूल लाने का [iv] मंदिर जाने का

(घ) **'स्वर्ण-घनों का क्या अर्थ है?** **1**

[i] सोने की वस्तु [ii] सुनहरे पक्षी

[iii] सुनहरा आसमान [iv] सुनहरे बादल

(ङ) **दोपहर कैसी थी?** **1**

[i] हलचल से भरी [ii] आलस से भरी

[iii] सुनहरे बादलों वाली [iv] गर्मी से भरी

अथवा

यह महान दृश्य है—
चल रहा मनुष्य है
अश्रु-स्वेद रक्त से लथपथ, लथपथ, लथपथ!
अग्निपथ! अग्निपथ! अग्निपथ!

(क) **जीवन की राह कैसी है?** **1**

[i] पसीने से भरी हुई [ii] आँसुओं से भरी हुई

[iii] रक्त से भरी हुई [iv] उपर्युक्त सभी

(ख) **उपर्युक्त काव्यांश में 'अग्निपथ' किसका प्रतीक है?** **1**

[i] अग्नि से भरे रास्ते का [ii] अंगारों का

[iii] संघर्षमय जीवन का [iv] धूल भरे रास्ते का

(ग) **'अश्रु-स्वेद रक्त से' यहाँ क्या आशय है?** **1**

[i] जीवन की वेदनाएँ [ii] शरीर की बीमारी

[iii] कमज़ोरी [iv] घबराहट

(घ) **मनुष्य कहाँ चल रहा है?** **1**

[i] रेगिस्तान में [ii] जीवन की कठिन राह पर

[iii] सुनसान रास्ते पर [iv] अग्नि पर

(ङ) **'महान दृश्य' से क्या अभिप्राय है?** **1**

[i] बड़ी तस्वीर [ii] संसार में घटने वाली विभिन्न घटनाएँ

[iii] विशाल प्रकृति [iv] विशाल मैदान

11. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए: **2.5×2=5**

(क) लेखक के अनुसार मनुष्य कीचड़ का महत्व कब पहचानेगा?

(ख) देश में धर्म का कैसा रूप होना चाहिए?

(ग) महादेव से गाँधीजी की कैसी निकटता थी?

(घ) अतिथि देवता के अलावा और क्या-क्या हो सकता है और क्यों?

12. 'हमारे आसपास ऐसी न जाने कितनी ही चीज़ें बिखरी पड़ी हैं, जो अपने पात्र की तलाश में हैं। ज़रूरत है रामन् के जीवन से प्रेरणा लेने की और प्रकृति के बीच छुपे हुए वैज्ञानिक रहस्य का भेदन करने की।'— आशय स्पष्ट कीजिए। **5**

अथवा

'अब तो आपका पूजा-पाठ न देखा जाएगा, आपकी भलमनसाहत की कसौटी केवल आपका आचरण होगी।' — आशय स्पष्ट कीजिए।

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

रामन् सरकारी नौकरी की सुख-सुविधाओं को छोड़ सन् **1917** में कलकत्ता विश्वविद्यालय की नौकरी में आ गए। उनके लिए सरस्वती की साधना सरकारी सुख-सुविधाओं से कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण थी। कलकत्ता विश्वविद्यालय के शैक्षिणिक माहौल में वे अपना पूरा समय अध्ययन, अध्यापन और शोध में बिताने लगे। चार साल बाद यानी सन् **1921** में समुद्र-यात्रा के दौरान जब रामन् के मस्तिष्क में समुद्र के नीले रंग की वजह का सवाल हिलोरें लेने लगा, तो उन्होंने आगे इस दिशा में प्रयोग किए, जिसकी परिणति रामन् प्रभाव की खोज के रूप में हुई।

(क) रामन् के लिए सरस्वती की साधना अधिक महत्त्वपूर्ण क्यों थी? **1**

(ख) रामन् कलकत्ता कब और क्यों आए? **2**

(ग) रामन् प्रभाव की खोज किस दिशा में हुई? **2**

अथवा

गाँधीजी के सामने जुल्मों और अत्याचारों की कहानियाँ पेश करने के लिए आने वाले पीड़ितों के दल-के-दल गामदेवी के मणिभवन पर उमड़ते रहते थे। महादेव उनकी बातों की संक्षिप्त टिप्पणियाँ तैयार करके उनको गाँधीजी के सामने पेश करते थे और आनेवालों के साथ उनकी रूबरू मुलाकातें भी करवाते थे। गाँधी जी बंबई के मुख्य राष्ट्रीय अंग्रेज़ी दैनिक 'बांबे क्रानिकल' में इन सब विषयों पर लेख लिखा करते थे। क्रानिकल में जगह की तंगी बनी रहती थी।

(क) गामदेवी के मणिभवन पर क्या होता था? **2**

(ख) महादेव जी की वहाँ क्या भूमिका रहती थी? **2**

(ग) गाँधीजी कौन-से समाचार-पत्र में लेख लिखते थे? **1**

14. (क) गुलाब दुखी क्यों रहता है? **1**

(ख) कवि ने 'अग्निपथ' शब्द की पुनरुक्ति क्यों की है? **2**

(ग) खुशबू रचने से कवि का क्या अभिप्राय है? **2**

15. लेखक ने अपनी स्कूली शिक्षा के दौरान किन संकटों का सामना किया? **3**

अथवा

'दिए जल उठे' पाठ में गाँधी जी का कैसा स्वरूप सामने आया है?

16. मालाबार में हिंदु-मुसलमानों के आपसी संबंध कैसे थे? **2**

खंड-घ

17. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में कोई एक अनुच्छेद लिखिए। 5

(क) भिक्षा वृत्ति की समस्या

- ❖ भिक्षावृत्ति: जीवन-निर्वाह का साधन
- ❖ भिक्षावृत्ति के कारण
- ❖ भिक्षावृत्ति भारतीय लोकतंत्र के नाम पर कलंक
- ❖ भिक्षावृत्ति अनेक प्रकार के अपराधों की जननी
- ❖ समस्या के प्रति सरकार का दायित्व

(ख) मनुष्य वही है, जो मनुष्य के लिए मरे

- ❖ मानव धर्म श्रेष्ठ धर्म
- ❖ गौरव का प्रतीक
- ❖ उदाहरणों से पुष्टि
- ❖ सृष्टि का उद्धार
- ❖ मेरी प्रतिज्ञा

(ग) इंटरनेट की दुनिया

- ❖ विज्ञान के चमत्कार
- ❖ अद्भुत क्रांति
- ❖ विभिन्न जानकारी का स्रोत
- ❖ मनोरंजन का साधन
- ❖ वरदान भी अभिशाप भी

18. आपके मित्र का बनाया हुआ मॉडल अंतरराष्ट्रीय विज्ञान मेले के लिए चुन लिया गया है। मित्र को बधाई देते हुए पत्र लिखिए। 5

अथवा

आपके विद्यालय द्वारा आयोजित शैक्षणिक यात्रा का विवरण देते हुए पिता को पत्र लिखिए।

◈◈◈◈◈◈◈◈◈◈◈◈